शिखर 3

पाठ 2. खूँटे में दाल है

पाठ का उद्‌देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्‌देश्य बच्चों को प्रेम-भाव एवं एक-दूसरे की मुश्किल घड़ी में मदद करने की सीख देना है। हमें किसी भी परिस्थिति में घबराना नहीं चाहिए बल्कि निडरता और साहस के साथ उसका सामना करना चाहिए। हमें किसी दूसरे की मेहनत का फल नहीं हड़पना चाहिए और ना ही किसी से ईर्ष्या करनी चाहिए।

पाठ का सारांश

धीरा नाम की एक चिड़िया थी। वह दाना-दुनका चुगती और हमेशा खुश रहती थी। एक दिन वह दाल का दाना बीनकर लाई और उसे लेकर खूँटे पर बैठ गई। खूँटा बहुत ईर्ष्यालु था। उसने अपनी दरार चौड़ी करके चिड़िया का दाना हड़प लिया। चिड़िया ने खूँटे से दाना वापस माँगा परंतु खूँटे ने उसे झिड़क दिया। चिड़िया ने मन में सोचा कि यह उसकी मेहनत की कमाई है, वह अपना हक नहीं छोड़ेगी। वह मदद के लिए बढ़ई के पास गई कि वह खूँटे को चीर दे। बढ़ई ने उसे घूर कर देखा और मना कर दिया। इसके बाद वह राजा के पास गई कि वह बढ़ई को दंड दे। राजा ने डाँटकर उसे भगा दिया। अब धीरा रानी के पास गई कि वह राजा को छोड़ दे। रानी ने भी मना कर दिया।

धीरा ने साहस नहीं छोड़ा और वह साँप, लाठी, समुद्र, हाथी, जाल के पास गई परंतु किसी ने उसकी मदद नहीं की। अंत में वह चूहे के पास गई। उसने चूहे को सारी बात बताई। चूहे ने कहा, चलो मैं तुम्हारा साथ दूँगा। चूहे को आता देख जाल डरकर हाथी को फँसाने, हाथी समुद्र को सोखने, समुद्र आग को बुझाने, आग लाठी को जलाने, लाठी साँप को मारने, साँप रानी को डँसने, रानी राजा को छोड़ने, राजा बढ़ई को दंड देने, बढ़ई खूँटे को चीरने चला। खूँटे के होश ठिकाने आ गए। उसने अपनी दरार चौड़ी कर दी। इस प्रकार धीरा चिड़िया अपना दाल का दाना पाने में सफल रही।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व पाठ की संक्षिप्त पृष्ठभूमि तैयार करते हुए बच्चों से पक्षियों के बारे में चर्चा करें। जैसे- वे किस प्रकार दाना चुगकर लाते हैं? कैसे वे मेहनत करते हैं? हमें उनसे क्या सीख मिलती है? किसी को मुसीबत में देखकर हमें क्या करना चाहिए? पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से भी बारी-बारी पाठ का वाचन करने को कहें।

बच्चों से पूछें और उन्हें समझाएँ–

- ❖ क्या उन्होंने कभी चिड़िया को दाना चुगते हुए देखा है?
- ❖ क्या उन्होंने कभी किसी पक्षी या जानवर को मुसीबत से बचाया है?
- ❖ बच्चों को समझाएँ कि हमें किसी को कष्ट नहीं पहुँचाना चाहिए।
- ❖ उन्हें पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।

- ❖ पाठ में निहित जीवन-मूल्यों को उभारने का प्रयास करें।
- ❖ बच्चों को शब्दों की शुद्ध वर्तनी के प्रयोग पर बल देने को कहें।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।